चीन अपने हिन्दी रेडिओ से भारतीयों को लुभा रहा है

चीन अब हिन्दी के सहारे भारतीय श्रोताओं और आम नागरिकों पर फोकस करने की कोशिश में लग गया है। इसी के चलते चीनी रेडियो इंटरनेशनल पर न केवल हाल फिलहाल हिन्दी सेवा को खासा मजबूत किया गया है बल्कि इससे प्रसारित होने वाले हिन्दी के कार्यक्रमों में विविधता भी लाई गई है। केवल रेडियो ही नहीं बल्कि चीनी रेडियो इंटरनेशनल ने इसके लिए खासतौर पर हिन्दी पर एक समृद्ध वेबसाइट भी तैयार की है।

भारत और चीन के सुधरते रिश्तों के बीच चीनी सरकार की कोशिश भारत के आम लोगों तक पहुंचने की है। उद्देश्य यही है कि भारत पर फोकस करके वहां के आम लोगों तक उनकी बोलचाल की भाषा में पहुंचा जा सके।

चीनी रेडियो इंटरनेशनल (सीआरआई) दुनिया की सबसे बड़ी रेडियो सेवाओं में एक है। बीबीसी और वायस ऑफ अमेरिका के बाद इसकी जगह है। सीआरआई 62 भाषाओं में रेडियो के जरिए 24 घंटे अपनी सेवाएं देता हैं। इस तरह से चीनी रेडियो की दुनिया में व्यापक पकड़ है। चीन के दुनिया की दूसरी बड़ी महाशक्ति बनने के बाद से उसने अपने प्रचार तंत्र को लगातार मजबूत करने की कोशिश की है।

वही सीआरआई ने 1998 में अपनी वेबसाइट की शुरुआत की। ये वेबसाइट भी दुनिया की तमाम भाषाओं में है और सबसे चीन सबसे बड़ी वेबसाइट सेवा है। सीआरआई के अपने अखबार व टीवी प्रोग्राम भी हैं। अब वह आधुनिक व व्यापक मीडिया ग्रुप की ओर बढ़ रहा है।

हालांकि चाइना रेडियो इंटरनेशनल (पुराना नाम रेडियो पेकिंग) ने वर्ष 1957 में ही अपने हिन्दी विभाग की स्थापना की तैयारी शुरू कर दी थी। इसके दो साल बाद 15 मार्च वर्ष 1959 से हिन्दी प्रसारण की औपचारिक शुरुआत हुई। वर्ष 1992 में इसके नई दिल्ली ब्यूरो की स्थापना हुई। वर्ष 2003 में हिंदी वेबसाइट शुरु हुई। इधर कुछ वर्षों से चीन-भारत राजनयिक संबंधों में लगातार सुधार आने के साथ साथ सीआरआई भारत में लोकप्रिय होता जा रहा है। और अब तो इसे ज्यादा प्रमुखता भी मिल रही है। चीनी रेडियो की हिन्दी सेवा पर रोजाना समाचार प्रसारण के साथ दक्षिण एशिया पर खास प्रोग्रामों का प्रसारण होता है। इसके अलावा हिन्दी सेवा कई और तरह के प्रोग्राम प्रस्तुत करती है।

चीनी रेडियो की हिन्दी की नई वेबसाइट इस तरह से तैयार की गई है कि आम भारतीय को चीन को समझने में मदद मिले। इस पर कोशिश यही रहती है कि भारत को लेकर लगातार कुछ परोसा जाए साथ ही चीन में घटने वाली उन महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में बताया जाए, जिसे जानने में भारतीय इच्छुक हों। साथ ही ये वेबसाइट चीनी भाषा सीखने का भी मौका देती है।

चीन के हिन्दी रेडिओ की वेब साईट http://hindi.cri.cn/

साभार- http://www.samachar4media.com/ से